

आयोजन समिति

संयोजक

प्रो. बाल चन्द्र यादव, भौतिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

संयोजक सचिव

डॉ. खेम बहादुर थापा, भौतिकी विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, इतिहास विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ

स्थानीय सलाहकार समिति

सदस्य गण

डॉ. रमेश चन्द्र, भौतिकी विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डॉ. ए.के. यादव, भौतिकी विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डॉ. देवेन्द्र सिंह, भौतिकी विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डा. रविकांत त्रिपाठी, भौतिकी विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डा. ऋचा श्रीवास्तव, यू.आई. ई.टी., बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डॉ. मुकेश कुमार, यूसिक, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डॉ. सी.आर. गौतम, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, केंद्रीय औषधि शोध संस्थान, लखनऊ
डॉ. अनिरुद्ध बनर्जी, एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ
डॉ. नीतू सिंह, गृह विज्ञान विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डॉ. राज श्री, सूचना तकनीक विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डॉ. पवन चौरसिया, संगणक विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डॉ. ज्योति पांडे, रसायन शास्त्र विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डॉ. बलजीत श्रीवास्तव, हिंदी विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ
डॉ. शिव शंकर यादव, हिंदी विभाग, बी. बी. ए. यू., लखनऊ

राष्ट्रीय सलाहकार समिति

प्रो. विक्रम कुमार, भा.प्रौ.सं., दिल्ली
प्रो. आर.पी. सिंह, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे
प्रो. अविनाथ चंद्र पांडे, पूर्व कुलपति, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय
प्रो. पंचानन परमाणिक, भा.प्रौ.सं., खडगपुर
प्रो. एस. राम, भा.प्रौ.सं., खडगपुर
प्रो. एस.बी. कृपानिधि, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
प्रो. जी. सी. दुबे, एस.एस.पी.एल., दिल्ली
डॉ. आलोक धवन, भारतीय विप शोध संस्थान, लखनऊ
प्रो. पी.के. खन्ना, डायट, पुणे
डॉ. अरविंद सक्सेना, डीएमएसआरडीई, कानपुर
प्रो. आर.आर. यादव, कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
प्रो. विनय गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. के.मधुकर, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना
प्रो. एम.एस. यादव, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा
प्रो. राकेश वैद्य, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू
प्रो. के. सी. मोहिते, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
डॉ. वि. बी. ल्यागी, माता वैष्णव देवी विश्वविद्यालय, जम्मू

मुख्य संरक्षक

प्रो.एन.एँ.पी. वर्मा, माननीय कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, उ.प्र., भारत

अध्यक्ष

प्रो. कमान सिंह
अधिष्ठाता, भौतिकी एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ, बाबासाहेब भीमराव लखनऊ, उ.प्र., भारत

सह-अध्यक्ष

प्रो. देवेश कुमार, विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उ.प्र., भारत

महत्वपूर्ण तिथियाँ

१. संक्षिप्त शोधपत्र जमा करने की अंतिम तिथि : **25 जनवरी 2019**

२. स्वीकृत पत्र निर्गम तिथि : **26 जनवरी 2019**

३. सम्पूर्ण शोधपत्र जमा करने की अंतिम तिथि : **31 जनवरी 2019**

राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए पंजीकरण आवश्यक है। पंजीकरण हेतु संगोष्ठी के समन्वयक प्रो. बाल चन्द्र यादव को एक आशय पत्र के साथ निम्नलिखित धनराशि नगद, बैंक ड्राफ्ट या NEFT/RTGSके रूप में प्रेषित किया जा सकता है। बैंक ड्राफ्ट "Convener Nanomaterials" के नाम से लखनऊ में भुगतान हेतु जमा किया जा सकता है। NEFT/RTGS हेतु बैंक विवरण निम्न है –

नाम: Convener Nanomaterials खाता संख्या: 2900101014527

बैंक: केनरा बैंक, बी.बी.ए.यू.,शाखा, IFSC Code: CNRB0002900

पंजीकरण शुल्क

	भारतीय नागरिकों हेतु	विदेशी नागरिकों हेतु
शोधार्थी	रु. १५०० मात्र	\$ २०० मात्र
शिक्षक/संकाय सदस्य	रु. ३००० मात्र	\$ ३०० मात्र
औद्योगिक कर्मी	रु. ५००० मात्र	\$ ५०० मात्र
सह अनुगामी	रु. २००० मात्र	\$ २०० मात्र

संक्षिप्त लेख/शोधपत्र तथा अन्य जानकारी के लिए संपर्क सूत्र

प्रो. बाल चन्द्र यादव

भौतिकी विभाग,

बी. बी. ए. यू., लखनऊ

मोबाइल नं०- 9450094590

Email Id -nano.sps.bbau@gmail.com

प्रथम संगोष्ठी विवरणिका सूक्ष्म पदार्थ एवं सम्बद्ध चेतन ऊर्जा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 1-3 फरवरी 2019



भौतिकी विभाग,
भौतिकी एवं निर्णय विज्ञान विद्यापीठ,
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय,
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
भारत

सूक्ष्म तत्त्व विज्ञान एवं तकनीक ने 21 वीं शताब्दी में प्रौद्योगिकी के सार तत्त्व के रूप में अत्यंत प्रगति की है। यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी की वह शाखा है जो 10⁻⁹ परम सूक्ष्म स्तर (Nano-scale) पर पर पदार्थ से संबंधित है। यह सुस्थापित है कि इस स्तर पर पदार्थ के गुण-धर्म वृहद् स्तर पर उसी पदार्थ के गुण-धर्म से बिल्कुल अलग होते हैं। उदाहरणार्थ, फुलेरीन को अतिचालक के रूप में जाना जाता है एवं कार्बन सूक्ष्म नलिका की प्राकाशिक, विद्युतीय तथा यांत्रिकीय व्यवहार सामान्य कार्बन से अलग होते हैं। इसी प्रकार प्रमात्रा बिंदु (Quantum dots) के भौतिकीय पहलू भी भौतिक शास्त्र के अनेक आयामों को खोलते हैं। यह विषय इतना रोमांचक और बहुमुखी है कि उसने विज्ञान की सभी शाखाओं में अपना स्थान बना लिया है। विगत दशक से सूक्ष्म फोटोनिक्स, सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म औषधि, सूक्ष्म रोबोटिक्स इत्यादि क्षेत्रों में रुचि व शोध की बारंबारता बड़ी है। सूक्ष्म पदार्थ अपने छोटे आकार और बड़े सतह क्षेत्र के कारण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आधुनिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सूक्ष्म तकनीक से कुछ क्षेत्रों में जैसे कि अर्द्धचालक, अतिचालक, औषधीय यौगिकों और समिश्रित पदार्थ संश्लेषण में क्रांतिकारी परिवर्तन की अपेक्षा है। इस प्रकार सूक्ष्म तकनीक का समग्र सामाजिक प्रभाव केवल सिलिकॉन आधारित एकीकृत सर्किट के विकास की तुलना में काफी विस्तृत होने की संभावना है क्योंकि इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स की तुलना में कई अन्य क्षेत्रों में प्रचुर अनुप्रयोग हैं।

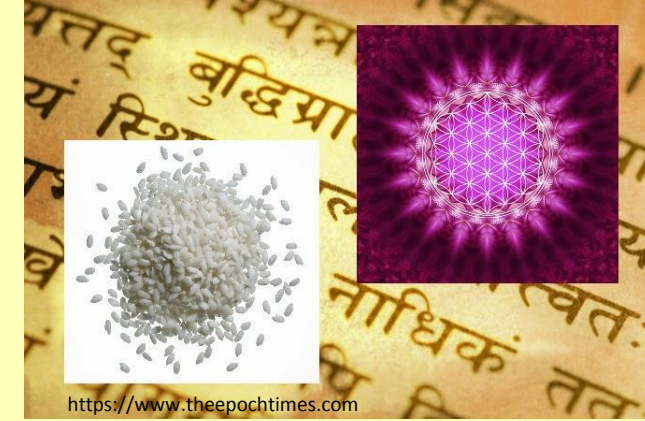
इस शोध संगोष्ठी का उद्देश्य अत्यंत ही व्यापक है। एक तरफ इसका उद्देश्य शोध व विकास हेतु महत्वपूर्ण तकनीकों पर विमर्श करना है वहीं दूसरी तरफ इससे सम्बद्ध वर्तमान चुनौतियों का युक्ति-युक्त समाधान प्रस्तुत कर भविष्य हेतु एक रूपरेखा तय करनी है। यह संगोष्ठी वरिष्ठ शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, युवा शोधकर्ताओं व साधक विद्वानों को एक मंच प्रदान करेगा जहाँ उनके उपयोग के विषय क्षेत्र में सामग्री और तकनीकी विकास में नवीन शोध कार्यों पर बातचीत और चर्चा हेतु पर्याप्त अवसर मिलेगा और जिसके फलस्वरूप व्यवहार्य विचारों का संकलन संभव हो सकेगा। भारत को इस इक्कीसवीं सदी में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में तकनीकी सशक्तिकरण के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है। सम्मेलन के दौरान इस क्षेत्र में शोधकर्ताओं के बीच गहन विमर्श हेतु निम्नलिखित विषयों को रखा जाएगा :

संश्लेषण और नैनोमटेरियल का फैब्रिकेशन
सूक्ष्म पदार्थ की विशेषता
सूक्ष्म पदार्थ के अनुप्रयोग
फुलेरीन और कार्बन सूक्ष्म नलिका
पदार्थ एवं चेतन ऊर्जा की सम्बद्धता पदार्थ एवं चेतन ऊर्जा
पदार्थ की अध्यात्म विज्ञान
सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी
सूक्ष्म फोटोनिक्स
सूक्ष्म यन्त्र और संचेतक
सूक्ष्म अंगभूत पदार्थ के गुण
पतली / मोटी परत निर्माण प्रौद्योगिकी
सूक्ष्म विष विज्ञान और हरित प्रौद्योगिकी
सैद्धांतिक व गणनीय विमर्श

इस क्षेत्र में समकालीन विषय से संबंधित विभिन्न आयामों पर 24 विशेष व्याख्यान आयोजित करने का प्रस्ताव है। इस संगोष्ठी में सांध्यकालीन परिचर्चा भी आयोजित की जाएगी और सूक्ष्म पदार्थ अनुसंधान और उनके अनुप्रयोगों की भविष्योन्मुखी दिशा पर प्रतिष्ठित भौतिकविदों, चैतन्य विशेषज्ञों और ख्यातिलब्ध सूक्ष्म प्रौद्योगिकी द्वारा विस्तृत व्याख्यान दिया जाएगा। इस संगोष्ठी का उद्देश्य पदार्थ संश्लेषण और उसके व्यवहार विश्लेषण से संबंधित रासायनिक प्रतिक्रियाओं के समस्त पहलुओं के साथ साथ इस क्षेत्र में वैज्ञानिक व तकनीकी शोध को सुदृढ़ता प्रदान करना तथा वस्तु निर्माण व उसको बाजारोन्मुखी बनाने की दिशा में किये जा सकने वाले प्रयासों की चर्चा करना है। इस संगोष्ठी के माध्यम से शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, अभियंताओं, उद्योग अनुसंधानकर्ताओं, युवा विद्वान साधक, पराभौतिक शास्त्रियों और नीति निर्धारण में भाग लेने वाले विद्वत जनों को एक मंच पर लाकर सबके ज्ञान व अनुभवों को प्राप्त करने का प्रयास किया जायेगा जिससे कि इस विषय में एक व्यापक दिशा निर्देश तैयार किये जा सकें और इस विषय में लोगों की अभिरुचि जाग्रत की जा सके।

इस परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य अभिनव दृष्टिकोणों का परीक्षण करने के लिए अनुवर्ती कार्यवाही तैयार करना और पायलट गतिविधियों की पहचान कराना है। इसलिए, यह संगोष्ठी वैज्ञानिक ज्ञान, संयुक्त अनुसंधान और अन्य सहकारी कार्यों की योजना के आदान-प्रदान के लिए भी एक अनूठा अवसर प्रदान करेगी। इस संगोष्ठी में कुछ मुख्य व्याख्यान होंगेसूक्ष्म (नैनो) सूक्ष्म (नैनो) पदार्थों की रूपरेखा, संरचना, गुणों और सामग्रियों के अनुप्रयोग, सूक्ष्म पदार्थ एवं चेतना का सम्बन्ध, प्राच्य एवं

आधुनिक दृष्टिकोण के विशिष्ट सिद्धांतों पर केंद्रित विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त इस संगोष्ठी में कई पोस्टर प्रदर्शित किये जायेगे जिनमें पांच सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतियों का चयन पुरस्कार हेतु किया जाएगा। इस संगोष्ठी में प्रस्तुत किये गए शोध पत्रों को व्यापक समीक्षा कर अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जाने की योजना है।



<https://www.theepochtimes.com>

